

‘बरिसा हरति ग्राम योजना’पर आधारित प्रशिक्षण पुस्तिका का वमिचन

चर्चा में क्यों?

28 दिसंबर, 2021 को झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव डॉ. मनीष रंजन ने मनरेगा के अंतर्गत महत्त्वाकांक्षी योजना ‘बरिसा हरति ग्राम योजना’पर आधारित प्रशिक्षण पुस्तिका का वमिचन किया।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि यह पुस्तिका ‘बरिसा हरति ग्राम योजना’के लाभुकों एवं बागवानी सखी/मतिर, महिला मेट एवं मनरेगा कर्मियों हेतु मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत बागवानी योजना के नरितर वसितार से न केवल आजीविका को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी बल्कि झारखंड राज्य को और भी हरा-भरा बनाने एवं फल की सर्वाधिक उत्पादकता वाले राज्यों की श्रेणी में लाने में मदद मिलेगी।
- इस अवसर पर मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी. ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बरिसा हरति ग्राम योजना के उद्देश्य की पूर्ति हेतु बरिसा हरति ग्राम योजना के ऊपर यह प्रशिक्षण पुस्तिका तैयार की गई है।
- इस पुस्तिका में बागवानी योजना के चयन से लेकर इसके देखभाल एवं फसलों की बीमारी की पहचान एवं इसके उपचार हेतु महत्त्वपूर्ण दशा-नरिदेश का उल्लेख किया गया है।
- उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण पुस्तिका बरिसा हरति ग्राम योजना के लाभुकों, बागवानी सखी/मतिर, महिला मेट एवं मनरेगा कर्मियों के प्रशिक्षण हेतु अत्यंत उपयोगी साबित होगी।
- मनरेगा आयुक्त ने कहा कि ग्रामीण कषेत्रों में रोजगार सृजन करने एवं खेती आधारित आजीविका को संबल प्रदान करने हेतु मनरेगा अंतर्गत ‘बरिसा हरति ग्राम योजना’का क्रयान्वयन वगित कुछ वर्षों से किया जा रहा है।
- बागवानी योजना से न केवल गरीब परिवारों की आय के अतरित्त स्रोत का सृजन हुआ है बल्कि उनकी बंजर खाली पड़ी जमीनों को उपजाऊ बनाने एवं इसकी उपयोगिता बढ़ाने में भी मनरेगा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। साथ ही बागवानी के अंदर अन्य कई प्रकार की फसलों एवं सब्जियों की अंतः खेती (Intercropping) से लाभुक अपनी आजीविका को और भी सुदृढ़ बनाने की ओर अग्रसर है।